

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)  
PART II—Section 3—Sub-section (iii) 27/11  
प्रतिधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 32] नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 11, 1989/श्रावण 20, 1911  
No. 32] NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 11, 1989/SRAVANA 20, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

भारत निवाचन प्रायोग

नई दिल्ली, 11 अगस्त, 1989

निवाचन प्रतीक (शारकण और शावंटन) (द्वितीय संशोधन) श्रावण, 1989

प्रा. अ०73 (अ) :- भारत नियाचन प्रायोग योक्ता प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 29 क, और निवाचनों का योग्यालन नियम, 1961 के नियम 5 और 10 के गाव एवं उनमें संविधान के अनुच्छेद 324 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस नियम 5 उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए निवाचन प्रतीक (शारकण और शावंटन) श्रावण, 1968 में और संशोधन करते के लिए निम्नलिखित आदेश करता है, यथात् :-

1. संविधन नाम तथा श्रावण :- (1) इस आदेश का नाम निवाचन प्रतीक (शारकण और शावंटन) (द्वितीय संशोधन) श्रावण, 1989 है।

(2) यह भारत के राजस्व में प्रकाशन होने की तारीख को प्रवृत्त होगा ।

2. पैरा 7 का संशोधन :— निर्वाचन प्रतीक (आरक्षण और आवंटन) आदेश, 1968 में, पैरा 7 में, उनपरा (2) और (3) के स्थान पर निम्नलिखित उप पैरे रखे जायेंगे, अर्थात् :—

“(2) उप पैरा (1) में अन्तविंट किसी बात के होने हुए भी, हर एक राजनीतिक दल, जो 15 जून, 1989 के अव्यवहित पूर्व से एक राष्ट्रीय दल है, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951<sup>1</sup> की धारा 29 के अधीन अपना रजिस्ट्रेशन होने पर एक राष्ट्रीय दल रहेगा, और इस आदेश के अन्तर्भूतों के अध्यधीन वह तब तक ऐसा बना रहेगा, जब तक कि वह उक्त तारीख के पश्चात हुए किसी साधारण निवाचन के परिणामस्वरूप राष्ट्रीय दल नहीं रह जाता ।

“(3) उप परा (1) में अन्तविंट किसी बात के होने हुए भी, हर एक राजनीतिक दल, जो 15 जून, 1989 के अव्यवहित पूर्व किसी राज्य में राज्यीय दल है, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29 के अधीन अपना रजिस्ट्रेशन होने पर उस राज्य में एक राज्यीय दल बन जायेगा और इस आदेश के अन्य उपबन्धों के अध्यधीन वह तब तक ऐसा बना रहेगा जब तक कि वह उक्त तारीख के पश्चात हुए किसी साधारण निवाचन के परिणामस्वरूप उस राज्य में राज्यीय दल नहीं रह जाता ।

आदेश से

[सं. 56/89]

बलवर्त सिंह, सचिव,  
भारत निवाचन

## ELECTION COMMISSION OF INDIA

New Delhi, the 11th August, 1989

### THE ELECTION SYMBOLS (RESERVATION AND ALLOTMENT) (SECOND AMENDMENT) ORDER, 1989

O. N. 73 (E) :—In exercise of the powers conferred by article 324 of the Constitution, read with section 29A of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951), and rules 5 and 10 of the Conduct of Elections Rules, 1961, and all other powers enabling it in this behalf, the Election Commission of India hereby makes the following Order further to amend the Election Symbols (Reservation and Allotment) Order, 1968, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) This Order may be called the Election Symbols (Reservation and Allotment) (Second Amendment) Order, 1989.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Gazette of India.

2. Amendment of paragraph 7.—In the Election Symbols (Reservation and Allotment) Order, 1968, in paragraph 7, for sub-paragraphs (2) and (3), the following sub-paragraphs shall be substituted, namely :—

“(2) Notwithstanding anything contained in sub-paragraph (1), every political party which, immediately before the 15th day of June, 1989 is a National Party, shall, on its registration under section 29A of the Representation of the People Act, 1951, be a National party and shall, subject to the other provisions of this Order continue to be so until it ceases to be a National party on the result of any general election held after the said date.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-paragraph (1), every political party which, immediately before the 15th day of June, 1989, is a State party in a State, shall, on its registration under section 29A of the Representation of the People Act, 1951, be a State party in that State and shall, subject to the other provisions of this Order, continue to be so until it ceases to be a State party in that State on the result of any general election held after the said date.”

By Order,  
[No. 56/89]

BALWANT SINGH, Secy.  
Election Commission of India

